चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	5-11-25	2	7-8

The Tribune

Agri university VC calls for judicious use of natural reources

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, NOVEMBER 4

A two-day international conference on the theme "Resource Management for Sustainable Agriculture, Food, Environment and Health (SAFER) 2025" concluded at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) here today.

Vice-Chancellor Prof BR Kamboj, who was the chief guest on the occasion, stressed the importance of judicious use of natural resources amid rising population and climate change. He also emphasised on the need to take measures toward agricultural waste management, organic farming, renewable energy and ecological balance.

The conference was jointly organised by HAU and the Society for Sustainable Agriculture and Resource Management (SSARM). Representatives from Turkey, Japan, France and Denmark, along with participants from various Indian universities, the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), the Society for Sustainable Agriculture and Resource Management, the Indian Society of Forage Research and scientists and researchers from HAU took part in the event. Eight oral and 12 poster sessions were organised in the conference and 43 participants were felicitated for their outstanding presentations. Kamboj stressed promoting soil health cards, micro-irrigation systems and bio-fertilisers for sustainable agriculture. He also encouraged the production and consumption of local crops and nutritious grains to ensure food security.

HAU Vice-Chancellor Prof BR Kamboj participates in the international conference on Tuesday. TRIBUNE PHOTO

During the oral sessions, scientists presenting their research were felicitated. In the first oral session, Dr Rakesh Punia from HAU secured first place and Dr Surender Sandhu from PAU Ludhiana was adjudged second. In the second session, Ekta won first place and Dr Krishna Rolania second; in the third session, Anshu Devi secured first spot and Dr Rakhi Gupta second; in the fourth session, Pooja Rani took first and Mansi Sheokand second place.

In the fifth session, Dr Kamla Malik from HAU's Microbiology Department secured first position and Dr Shikha Mehta second; in the sixth session, Dr Khatira from Afghanistan secured first and Dr Vandana from HAU second; in the seventh session, Dr Deepika Kalkal took first spot and Ruchika Chaudhary second; in the eighth session, Dr Satpal from HAU's Forage Section secured first position and Dr Jagdeep Singh from the Plant Pathology Department took second spot. Additionally, 27 participants were honoured in the 12 poster sessions.

Programme coordinator and Dean, College of Agriculture, Dr SK Pahuja, presented the report of the international conference. The stage was conducted by Jayanti Tokas.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	3	4-8

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से शोधार्थियों को मिलेगी प्रेरणा : प्रो. बीआर काम्बोज

अतरराष्ट्रीय सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधि हुए शामिल

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में च्संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्यज् (सफर) 2025 विषय पर आयोजित किए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। एचएयू एवं सोसाइटी फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएसएआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, इंडियन सोसाइटी आफ़ फारेज रिसर्च तथा एचएयू के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान बेहतर प्रस्तुति देने वाले 43 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, नवीनीकरण ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सतत कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड ,सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली और जैव उर्वरकों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

सैलकुक युनिवर्सिटी टर्की से डा सैयदी अहमत बागची ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जीवन, कृषि एवं जैव विविधता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इससे कहीं अधिक वर्षा और कहीं पर सूखे की स्थिति पैदा हो रही है जिसके कारण फसलों की बुवाई और उपज पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

जापान से प्रोफेसर टाकूरो शीनानो ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने पर जोर दिया गया। भूमि की उर्वरा शक्ति बनाएं रखने के लिए पराली प्रबंधन हेतु किसानों को जागरूक करने पर भी बल दिया।

सम्मेलन के आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डा राजबीर गर्ग ने बताया कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि उद्योग, सतत संसाधन प्रबंधन, पौध प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित तकनीकों, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, नैनो फर्टिलाइजर्स, सौर ऊर्जा तथा कृषि क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर मौखिक एवं पोस्टर सत्र आयोजित करने के साथ-साथ मौखिक एवं प्रमुख व्याख्यान भी दिए गए।

कार्यक्रम संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा एस.के. पाहुजा ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच का संचालन जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, इंडियन सोसाइटी आफ फारेज रिर्सच, हिसार के अलावा ईफको, कृभको, बायर आदि संस्थाओं के प्रतिनिधिओं सहित हकृवि के कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

मौखिक सत्र के दौरान प्रेजेंटेशन देने वाले विज्ञानियों को सम्मानित किया

प्रथम मौखिक सत्र में हकृवि के डा राकेश पूनिया ने पहला तथा पीएयू लुधियाना के डा सुरेंद्र संधु ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरे मौखिक सत्र में एकता ने पहला व डा कृष्णा रोलानिया ने दूसरा स्थान, तीसरे मौखिक सत्र में अंशु देवी ने पहला डा राखी गुप्ता ने दूसरा, चौथे मौखिक सत्र में पूजा रानी ने पहला तथा मानसी श्योकंद ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पांचवें मौखिक सत्र में हकृवि के माईक्रोबायोलाजी विभाग की डा कमला मलिक ने प्रथम, डा शिखा मेहता ने दूसरा, छठे मौखिक सत्र में अफगानिस्तान की डा खतेरा ने पहला तथा हकृवि की डा वंदना ने दूसरा, सातवें मौखिक सत्र में डा दीपिका कलकल ने प्रथम तथा रूचिका चौधरी ने दूसरा स्थान हासिल किया। आठवें मौखिक सत्र में हकृवि के चारा अनुभाग के डा सतपाल ने पहला तथा पौध रोग विभाग के डा जगदीप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 12 पोस्टर सत्रों में 27 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-11-25	3	2-5

कार्यशाला • प्रो. काम्बोज बोले- प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हो

एचएयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बेहतर प्रस्तुति पर 43 प्रतिभागी सम्मानित

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य सफर 2025 विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। एचएयू एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएसएआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज रिसर्च तथा एचएयू के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। बेहतर प्रस्तुति पर 43 प्रतिभागी सम्मानित किए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, नवीनीकरण ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सतत कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली और जैव उर्वरकों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण नियंत्रण, वानिकीकरण, अपशिष्ट पुनचक्रण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर समस्या बन चुका है जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव जीवन एवं कृषि के लिए खतरा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान में वृद्धि, से कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है जिससे निपटने के लिए हमें फसलों की जलवायु परिवर्तन सहनशील किस्में विकसित करने की आवश्यकता है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी।

बेहतर प्रस्तुति पर वैज्ञानिक सम्मानित

प्रथम मौखिक सत्र में एचएयू के डॉ. राकेश पूनिया ने पहला तथा पीएयू लुधियाना के डॉ. सुरेंद्र संधू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरे मौखिक सत्र में एकता ने पहला व डॉ. कृष्णा रोलानिया ने दूसरा स्थान, तीसरे मौखिक सत्र में अंशु देवी ने पहला डॉ. राखी गुप्ता ने दूसरा, चौथे मौखिक सत्र में पूजा रानी ने पहला तथा मानसी श्योकंद ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पांचवें मौखिक सत्र में एचएयू के माईक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. कमला मलिक ने प्रथम, डॉ. शिखा मेहता ने दूसरा, छठे मौखिक सत्र में अफगानिस्तान की डॉ. खतेरा ने पहला तथा एचएयू की डॉ. वंदना ने दूसरा, सातवें मौखिक सत्र में डॉ. दीपिका कलकल ने प्रथम तथा रूचिका चौधरी ने दूसरा स्थान हासिल किया। आठवें मौखिक सत्र में एचएयू के चारा अनुभाग के डॉ. सतपाल ने पहला तथा पौध रोग विभाग के डॉ. जगदीप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

ग्लोबल वार्मिंग और सौर ऊर्जा पर भी हुई चर्चा

सम्मेलन के आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि उद्योग, सतत संसाधन प्रबंधन, पौध प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित तकनीकों, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, नैनो फर्टिलाइजर्स, सौर ऊर्जा तथा कृषि क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-11-25	3	3-6

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रही फसलों की बुवाई और उपज : सैयदी

एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज बोले-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से शोधार्थियों को मिलेगी प्रेरणा

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में आयोजित सम्मेलन में मंच पर उपस्थित एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. कांबोज, डॉ. सैयदी अहमत बागची व अन्य। स्रोत :

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मंगलवार को समापन हुआ।

सैलकुक यूनिवर्सिटी, टर्की के वैज्ञानिक डॉ. सैयदी अहमत बागची ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मानव जीवन, कृषि और जैव विविधता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है।

अत्यधिक वर्षा और सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण फसलों की बुवाई और उपज प्रभावित हो रही है। हमें फसलों की जलवायु परिवर्तन सहनशील किस्में विकसित करने की आवश्यकता है।

जापान से प्रो. टाकूरो शीनानो ने वैज्ञानिक सिफारिश के अनुसार रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग की आवश्यकता और पराली प्रबंधन पर जोर दिया। एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से शोधार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, सतत कृषि और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया, ताकि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटा जा सके।

सम्मेलन में कृषि उद्योग, सतत संसाधन प्रबंधन, पौध प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित तकनीक, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, नैनो फर्टिलाइजर्स, सौर ऊर्जा और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध विषयों पर चर्चा हुई। कुल 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए, जिसमें 43 प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सत्र के अनुसार इन प्रतिभागियों को किया सम्मानित

- **पहला सत्र :** डॉ. राकेश पूनिया (प्रथम), डॉ. सुरेंद्र संधू (द्वितीय)
- **दूसरा सत्र :** एकता (प्रथम), डॉ. कृष्णा रोलानिया (द्वितीय)
- **तीसरा सत्र :** अंशु देवी (प्रथम), डॉ. राखी गुप्ता (द्वितीय)
- **चौथा सत्र :** पूजा रानी (प्रथम), मानसी श्योकंद (द्वितीय)
- **5वां सत्र :** डॉ. कमला मलिक (प्रथम), डॉ. शिखा मेहता (द्वितीय)
- **छठा सत्र :** डॉ. खतेरा (प्रथम), डॉ. वंदना (द्वितीय)
- **7वां सत्र :** डॉ. दीपिका कलकल (प्रथम), रूचिका चौधरी (द्वितीय)
- **आठवां सत्र :** डॉ. सतपाल (प्रथम), डॉ. जगदीप सिंह (द्वितीय)

सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों के अलावा देशभर के विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक और शोधार्थी शामिल हुए। सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. राजबीर गर्ग और कार्यक्रम संयोजक डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि यह सम्मेलन शोधार्थियों को नए दृष्टिकोण और प्रेरणा प्रदान करेगा। मंच संचालन जयंती टोकस ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5-11-25	12	2-5

हकृवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी

टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क प्रतिनिधि हुए शामिल

हिसार। मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हरिभूमि न्यूज »» हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर आयोजित किए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

एचएयू एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएसएआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ फॉरेज रिसर्च तथा एचएयू के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान बेहतर प्रस्तुति देने वाले 43 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, नवीनीकरण ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सतत कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड ,सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली और जैव उर्वरकों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से शोध करने वाले छात्रों एवं वैज्ञानिकों को शोध की नई-नई तकनीकों की जानकारी मिलेगी व देश-विदेश से आए प्रख्यात वैज्ञानिकों से संवाद करके बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

जलवायु परिवर्तन का व्यापक असर : डॉ. बागची

सैलकुक युनिवर्सिटी टर्की से डॉ सैयदी अहमत बागची ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जीवन, कृषि एवं जैव विविधता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इससे कहीं अधिक वर्षा और कहीं पर सुखे की स्थिति पैदा हो रही है जिसके कारण फसलों की बुवाई और उपज पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जापान से प्रोफेसर टाकूरो शीनानो ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने पर जोर दिया गया। सम्मेलन में आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कार्यक्रम संयोजक डॉ. एस.के. पाहुजा भी मौजूद रहे। मंच का संचालन जयंती टोकस ने किया।

प्रेजेंटेशन देने वाले वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

प्रथम मौखिक सत्र में हकृवि के डॉ. राकेश पूनिया ने पहला तथा पीएयू लुधियाना के डॉ. सुरेंद्र संधू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरे मौखिक सत्र में एकता ने पहला व डॉ कृष्णा रोलानिया ने दूसरा स्थान, तीसरे मौखिक सत्र में अंशु देवी ने पहला डॉ. राखी गुप्ता ने दूसरा, चौथे मौखिक सत्र में पूजा रानी ने पहला तथा मानसी श्योकंद ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पांचवें मौखिक सत्र में हकृवि के माईक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ कमला मलिक ने प्रथम, डॉ शिखा मेहता ने दूसरा, छठे मौखिक सत्र में अफगानिस्तान की डॉ खतेरा ने पहला तथा हकृवि की डॉ वंदना ने दूसरा, सातवें मौखिक सत्र में डॉ दीपिका कलकल ने प्रथम तथा रूचिका चौधरी ने दूसरा स्थान हासिल किया। आठवें मौखिक सत्र में हकृवि के चारा अनुभाग के डॉ सतपाल ने पहला तथा पौध रोग विभाग के डॉ जगदीप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.11.25	3	3-8

ग्लोबल वार्मिंग का कृषि पर विपरीत प्रभाव, फसलों की जलवायु परिवर्तन सहनशील किस्में विकसित करने की जरूरतः प्रो.काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क प्रतिनिधि हुए शामिल

कुलपति सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए।

हिसार, 4 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर आयोजित किए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। एच.ए.यू. एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ फॉरेज रिसर्च तथा एचएयू के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान बेहतर प्रस्तुति देने वाले 43 प्रतिभागियों को सम्मानित क़िया गया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, नवीनीकरण ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण नियंत्रण, वानिकीकरण, अपशिष्ट पुनचक्रण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर समस्या बन चुका है जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव जीवन एवं कृषि के लिए खतरा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान में वृद्धि, से कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिससे निपटने के लिए हमें फसलों की जलवायु परिवर्तन सहनशील किस्में विकसित करने की आवश्यकता है।

सैलकुक युनिवर्सिटी-टर्की से डॉ सैयदी अहमत बागची ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानव जीवन, कृषि एवं जैव विविधता पर व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इससे कहीं अधिक वर्षा और कहीं पर सूखे की स्थिति पैदा हो रही है जिसके कारण फसलों की बुवाई और उपज पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जापान से प्रोफेसर टाकूरो. शीनानो ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने पर जोर दिया गया। भूमि की उर्वरा शक्ति बनाएं रखने के लिए पराली प्रबंधन हेतु किसानों को जागरूक करने पर भी बल दिया।

सम्मेलन के आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कृषि उद्योग, सतत संसाधन प्रबंधन, पौध प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, नवाचार, हरित तकनीकों, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, नैनो फर्टिलाइजर्स, सौर ऊर्जा तथा कृषि क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंच का संचालन जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज रिर्सच, हिसार के अलावा ईफको, कृभको, बायर आदि संस्थाओं के प्रतिनिधिओं सहित हकृवि के कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों को सम्मानित किया

प्रथम मौखिक सत्र में हकृवि के डॉ. राकेश पूनिया ने पहला तथा पीएयू लुधियाना के डॉ सुरेंद्र संधू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरे मौखिक सत्र में एकता ने पहला व डॉ कृष्णा रोलानिया ने दूसरा स्थान, तीसरे मौखिक सत्र में अंशु देवी ने पहला डॉ राखी गुप्ता ने दूसरा, चौथे मौखिक सत्र में पूजा रानी ने पहला तथा मानसी श्योकंद ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पांचवें मौखिक सत्र में ह कृ. वि के माईक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. कमला मलिक ने प्रथम, डॉ शिखा मेहता ने दूसरा, छठे मौखिक सत्र में अफग़ानिस्तान की डॉ खतेरा ने पहला तथा हकृवि की डॉ वंदना ने दूसरा, सातवें मौखिक सत्र में डॉ दीपिका कलकल ने प्रथम तथा रूचिका चौधरी ने दूसरा स्थान हासिल किया। आठवें मौखिक सत्र में हकृवि के चारा अनुभाग के डॉ. सतपाल ने पहला तथा पौध रोग विभाग के डॉ. जगदीप सिंह ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 12 पोस्टर सत्रों में 27 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-11-25	6	3-5

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से शोधार्थियों को मिलेगी प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी।

हिसार, 4 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर आयोजित किए गए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। एचएयू एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएसएआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधियों सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ फॉरेज रिसर्च तथा एचएयू के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान 8 मौखिक और 12 पोस्टर सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान बेहतर प्रस्तुति देने वाले 43 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और बदलते जलवायु परिदृश्य के बीच प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना बहुत जरूरी है। कृषि अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खेती, नवीनीकरण ऊर्जा और पारिस्थितिक संतुलन को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सतत कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड ,सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली और जैव उर्वरकों को बढ़ावा देने पर बल दिया। खाद्य सुरक्षा हेतु स्थानीय फसलों और पोषक अनाजों का उत्पादन व उपभोग को प्रोत्साहित किया जाए। जापान से प्रोफेसर टाकूरो शीनानो ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिकों की सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने पर जोर दिया गया। भूमि की उर्वरा शक्ति बनाएं रखने के लिए पराली प्रबंधन हेतु किसानों को जागरूक करने पर भी बल दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	04.11.2025		

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर, आवश्यकताओं अनुरूप ही प्रयोग करें : डॉ संजय कुमार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क प्रतिनिधि ले रहे हैं भाग

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 4 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

एएसआरबी चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत् संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। सतत् कृषि और इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मानव आबादी के लिए प्रर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के अलावा पशुधन के लिए चारे व दाने की आपूर्ति करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण, उद्योगों का विकास, खाद्य अपव्यय में कमी तथा किसानों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में संसाधन प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नैनो फर्टिलाइजर, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपरोक्त विषय से संबंधित विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल जरूरी - प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संसाधन प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादन टिकाऊ हो। उन्होंने बताया कि गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने राया, गन्ना, मूंग और गेहूं सहित विभिन्न फसलों की 44 उन्नत किस्में विकसित की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि इजाद की गई उन्नत किस्मों ने हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों में रिकार्ड उत्पादन किया है। हकृवि द्वारा विकसित किस्मों की मांग अन्य राज्यों में निरंतर बढ़ती जा रही है। इस सम्मेलन से विद्यार्थियों को शोध करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

विशिष्ट अतिथि फ्रांस के आर्थर रीडैकर ने सतत् कृषि, खाद्य पर्यावरण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लैंड यूज एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए मृदा में उचित आर्गेनिक कार्बन का स्तर बनाए रखते हुए फसलों की उत्पादकता बढाने पर बल दिया।

एसएसएआरएम के प्रधान एवं जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह ने सोसाइटी द्वारा विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली फैलोशिप के बारे में बताया व देश-विदेश में आयोजित की गई सम्मेलनों के बारे में जानकारी दी।

बायर क्रॉप साइंस के कृषि मामलों के निदेशक डॉ. राजबीर राठी ने बताया कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए उचित प्रयास करने जरूरी हैं। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं एसएसएआरएम से जुड़े डॉ. आरके बहल भी उपस्थित रहे।

सम्मेलन में सभी का स्वागत करते हुए आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सम्मेलन के संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज रिर्सच, हिसार के प्रतिनिधि सहित हकृवि के कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-11.25	4	2-5

27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती • 22 जिलों और 5 संस्थानों के 550 पहलवान दिखाएंगे दांव

63 किलोभार वर्ग में हिसार के रवि ने जीता गोल्ड

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को हरियाणा ओलंपिक संघ की 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज हुआ। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में समारोह में मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज कॉम्बोज ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। राज्यभर से 550 पहलवान पुरुष और महिला वर्ग में विभिन्न भार वर्गों में दांव-पेंच दिखाने पहुंचे हैं। तीन दिन तक चलने वाली प्रतियोगिता में प्रदेश के 22 जिलों और अन्य 5 संस्थानों के पहलवान हिस्सा ले रहे हैं।

हरियाणा ओलम्पिक संघ की कुश्ती प्रतियोगिता में दांव लगाती हुई पहलवान।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के ज्वॉइंट सेक्रेटरी रविंद्र पानू ने बताया कि 13 साल बाद हरियाणा ओलंपिक संघ इस राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। ग्रीको रोमन 55 किलोभार वर्ग में कुरूक्षेत्र के मनीष ने गोल्ड, सोनीपत के सुशांत ने सिल्वर, पानीपत के अंशुल और झज्जर के सागर ने ब्रान्ज मेडल जीता। इसी प्रकार 63 किलोभार वर्ग में हिसार से रवि ने गोल्ड, झज्जर के कपिल दलाल सिल्वर, कैथल के राजीव और पानीपत के आर्यन मलिक ने ब्रॉन्ज मेडल पाया। 130 किलोभार वर्ग में रोहतक के निशांत ने गोल्ड, अंबाला के राहुल ने सिल्वर, सोनीपत के अर्जुन, नारनौल के पियुष कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। ग्रीको फ्री स्टाइल 50 किलोभार वर्ग में हिसार के प्रवीण ने गोल्ड, झज्जर के मुस्कान ने सिल्वर, रोहतक के तनु और फतेहाबाद के राज बाला ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 55 किलोभार वर्ग में हिसार के स्वीटी ने गोल्ड, रोहतक के निशा सिल्वर, झज्जर के निक्की, जींद के सोनिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 76 किलोभार वर्ग में रोहतक के सिमरन ने गोल्ड, चरखी-दादरी के मेजहाना सिल्वर, हिसार के स्वाती वेरवाल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

हर जिले से 16 पहलवान

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल नर्सरियां और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण आंचल के खिलाड़ियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। कुश्ती हमारे देश का प्राचीन और लोकप्रिय खेल है। कुश्ती को वीरता, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। यह न केवल शरीर को मजबूत बनाती है बल्कि अनुशासन, संयम और आत्मविश्वास भी सिखाती है। ज्वॉइंट सेक्रेटरी रविंद्र पानू ने बताया प्रत्येक जिले से 8 गर्ल्स और 8 बॉयज पहलवान भाग ले रहे हैं। इसी तरह पावर स्पोर्ट्स ग्रुप, हरियाणा पुलिस, राई स्पोर्ट्स ग्रुप, एचएसआईडीसी, डेरा मेम्बर के के खिलाड़ी भाग लिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-11-25	4	1-5

हरियाणा ओलिंपिक संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ आगाज

प्रतियोगिता के 130 किलोग्राम में रोहतक के निशांत ने झटका स्वर्ण पदक

हिसार, 4 नवम्बर (नांदवाल): हरियाणा ओलिंपिक संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों सहित प्रदेश भर से लगभग 700 पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

उद्घाटन अवसर पर प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतियोगिता के शुभारंभ पर पहलवानों के साथ। (नांदवाल)

इस अवसर पर पहलवानों व अन्य लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल नर्सरियां और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण आंचल के खिलाड़ियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। कुश्ती हमारे देश का प्राचीन और लोकप्रिय खेल है। कुश्ती को वीरता, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। यह न केवल शरीर को मजबूत बनाती है बल्कि अनुशासन, संयम और आत्मविश्वास भी सिखाती है।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। इससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार किया जाता है। खेलों में भाग लेने से खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और मनोबल का भी विकास होता है। यह एक खेल नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग भी है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा ओलिंपिक संघ प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के अनेक कुश्ती खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

हरियाणा ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष व प्रशिक्षक राकेश ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लड़के-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लड़के) के सभी भार वर्ग में मुकाबले होंगे। इस अवसर पर सुरेन्द्र, रविन्द्र पात्रू, सुधीर बुवाना व संदीप उपस्थित रहे। निदेशक एवं खेल प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन हुए ग्रीको रोमन (लड़के) कुश्ती प्रतियोगिता के 130 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में रोहतक के निशांत ने स्वर्ण, अंबाला के राहुल ने सिल्वर, सोनीपत के अर्जुन ने कांस्य तथा नारनौल के पीयूष कुमार ने द्वितीय कांस्य पदक प्राप्त प्राप्त किए।

इसी प्रकार 63 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में हिसार के रवि ने स्वर्ण, झज्जर के कपिल दलाल ने सिल्वर, कैथल के राजीव ने कांस्य तथा पानीपत के आर्यन मलिक ने द्वितीय कास्य पदक प्राप्त कियें। प्रतियोगिता के 55 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में कुरूक्षेत्र के मनीष ने स्वर्ण, सोनीपत के सुशांत ने सिल्वर, पानीपत के अंशुल ने कांस्य तथा झज्जर के सागर ने द्वितीय कास्य पदक प्राप्त किया। उन्होनें बताया कि फ्री स्टाईल कुश्ती प्रतियोगिता (महिला) के 50 किलोग्राम भार वर्ग में हिसार की प्रवीण ने स्वर्ण, झज्जर की मुस्कान ने सिल्वर, रोहतक की तनु ने कांस्य, तथा फतेहाबाद की राजबाला ने द्वितीय कांस्य पदक प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5-11-25	12	6-8

हकृवि में कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज

■ ग्रीको रोमन के 63 किलो में हिसार के रवि ने जीता स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों सहित प्रदेश भर से लगभग 700 पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। निदेशक एवं खेल प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन हुए ग्रीको रोमन (लड़के) कुश्ती प्रतियोगिता के 130 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में रोहतक के निशांत ने स्वर्ण, अंबाला के राहुल ने सिल्वर, सोनीपत के अर्जुन ने कांस्य, तथा नारनौल के पीयूष कुमार ने द्वितीय कास्य पदक प्राप्त कियें। इसी प्रकार 63 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में हिसार के रवि ने स्वर्ण, झज्झर के कपिल दलाल ने सिल्वर, कैथल के राजीव ने कांस्य, तथा पानीपत के आर्यन मलिक ने द्वितीय कास्य पदक प्राप्त किए।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों के साथ।

खेलों को बढावा देने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल नर्सरियां और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण आंचल के खिलाडियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। कुश्ती हमारे देश का प्राचीन और लोकप्रिय खेल है। कुश्ती को वीरता, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। यह न केवल शरीर को मजबूत बनाती है बल्कि अनुशासन, संयम और आत्मविश्वास भी सिखाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	4	1-4

कुश्ती में रोहतक के निशांत ने गोल्ड और अंबाला के राहुल ने सिल्वर पदक जीता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में मंगलवार को हरियाणा ओलंपिक संघ की ओर से तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता शुरू हुई। शुभारंभ मुख्यातिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किया।

पहले दिन हुए ग्रीको रोमन स्टाइल में लड़कों के मुकाबलों में 130 किलोग्राम भारवर्ग में रोहतक के निशांत ने गोल्ड मेडल जीता। इस वर्ग में अंबाला के राहुल ने सिल्वर मेडल, सोनीपत के अर्जुन ने ब्रांज मेडल जीता।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में अपने दमखम दिखाते खिलाड़ी • जागरण

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में रोहतक व हरियाणा पुलिस के खिलाड़ी दमखम दिखाते हुए • जागरण

नारनौल के पीयूष कुमार ने द्वितीय कांस्य पदक जीता। अन्य मुकाबलों में 55 किलोग्राम भारवर्ग में ग्रीको रोमन में कुरूक्षेत्र के मनीष ने गोल्ड मेडल जीता। सोनीपत के सुशांत ने सिल्वर मेडल जीता। पानीपत के अंशुल ने सिल्वर मेडल जीता। झज्जर के सागर को द्वितीय ब्रांज मेडल मिला। 63 किलोग्राम भारवर्ग में हिसार के रवि ने गोल्ड मेडल जीता। झज्जर के कपिल दलाल ने सिल्वर मेडल जीता। कैथल के राजीव व पानीपत के आर्यन मलिक ने ब्रांज मेडल जीता। इसके अलावा 50 किलोग्राम भारवर्ग में हिसार के प्रवीन ने गोल्ड मेडल जीता। झज्जर की मुस्कान ने सिल्वर मेडल, रोहतक की तन्नू ने ब्रांज व फतेहाबाद की राजबाला ने द्वितीय ब्रांज मेडल जीता। 76 किलोग्राम भारवर्ग में रोहतक की सिमरन ने गोल्ड मेडल, चरखी दादरी की मेघना ने सिल्वर मेडल व हिसार की स्वाति बेरवाल ने ब्रांज मेडल जीता। हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष व प्रशिक्षक राकेश ने बताया कि प्रदेशभर से लगभग 700 पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर सुरेंद्र, रविंद्र पान्नू, सुधीर बुवाना व संदीप उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5-11-25		

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता शुरू

130 किलो भार वर्ग में रोहतक के निशांत ने जीता गोल्ड

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों के साथ। -हप्र

हिसार, 4 नवंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों सहित प्रदेश भर से लगभग 700 पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल नर्सरियां और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण आंचल के खिलाडियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। हरियाणा ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष व प्रशिक्षक राकेश ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लड़के-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लड़के) के सभी भार वर्ग में मुकाबले होंगे। इस अवसर पर सुरेन्द्र, रविन्द्र पान्नू, सुधीर बुवाना व संदीप उपस्थित रहे। निदेशक एवं खेल प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन हुए ग्रीको रोमन (लड़के) कुश्ती प्रतियोगिता के 130 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में रोहतक के निशांत ने गोल्ड, अंबाला के राहुल ने सिल्वर, सोनीपत के अर्जुन ने कांस्य तथा नारनौल के पीयूष कुमार ने द्वितीय कांस्य जीता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	05.11.2025		

खेलों को बढावा देने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता शुरू, तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश भर से 700 खिलाड़ी लेंगे भाग

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 5 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों सहित प्रदेश भर से लगभग 700 पहलवान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल नर्सरियां और स्टेडियम बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण आंचल के खिलाड़ियों को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। कुश्ती हमारे देश का प्राचीन और लोकप्रिय खेल है। कुश्ती को वीरता, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। यह न केवल शरीर को मजबूत बनाती है बल्कि अनुशासन, संयम और आत्मविश्वास भी सिखाती है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं के आयोजन से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार किया जाता है। खेलों में भाग लेने से खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और मनोबल का भी विकास होता है। यह एक खेल नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग भी है।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा ओलम्पिक संघ प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के अनेक कुश्ती खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर खेल का प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

हरियाणा ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष व प्रशिक्षक राकेश ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लड़के-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लड़के) के सभी भार वर्ग में मुकाबले होंगे। इस अवसर पर सुरेन्द्र, रविन्द्र पात्रू, सुधीर बुवाना व संदीप उपस्थित रहे।

निदेशक एवं खेल प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रथम दिन हुए ग्रीको रोमन (लड़के) कुश्ती प्रतियोगिता के 130 किलोग्राम भार वर्ग में हुए मुकाबलों में रोहतक के निशांत ने स्वर्ण, अंबाला के राहुल ने सिल्वर, सोनीपत के अर्जुन ने कास्य, तथा नारनौल के पीयूष कुमार ने द्वितीय कास्य पदक प्राप्त किये।